भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी के लिए सूरत में आयोजित अभिनंदन समारोह में

माननीय अध्यक्ष जी का संबोधन

तापी माँ की यह धरती, विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक नगरी, जहां हीरे और वस्त्र की एक ऐसी औद्योगिक नगरी जिसने अपनी कमर्ठता से कौशलता से काम की श्रेष्ठता से अपना स्थान बनाया है, इस सूरत की धरती पर आज हम सब भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का अभिनंदन कर रहे हैं, स्वागत कर रहे हैं।

माननीय जगदीप धनखड़ जी जो एक किसान के बेटे हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से, श्रेष्ठता से अद्भुत वाक कौशल के माध्यम से और अपने वकालत के क्षेत्र के अंदर देश के सर्वोच्च न्यायालय के अंदर भी अपनी विधि और न्याय के माध्यम से समाज को न्याय दिलाने का काम किया। आपने महामहिम राज्यपाल के रूप में एक ऐसा मानक स्थापित किया जिसमें सबको न्याय मिले, सबको समानता मिले, संविधान की रक्षा हो। ऐसे महामहिम उपराष्ट्रपति जी का इस गुजरात की धरती पर अभिनंदन करते हुए हम सब गौरव को प्राप्त कर रहे हैं।

जिन्होंने अपनी सहजता से, सरलता से, विनम्रता से एक जननेता के रूप में देश की जनता का दिल जीता है। देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था, हमारा सबसे बड़ा सदन, राज्य सभा के सभापति के रूप में इस लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से देश के सामाजिक और आर्थिक जीवन में बदलाव में आपकी बहुत बड़ी भूमिका है।

यह सूरत, यह गुजरात की धरती जो एक मिनि इंडिया की तरह है, जहां पर अपनी-अपनी कर्म स्थली से मेहनत कर के अलग-अलग राज्यों की जन्म स्थली से यहां पर आए हमारे राजस्थान के, हरियाणा के अलग-अलग प्रदेशों के लोग यहां पर आए। उनका जन्म वहां हो सकता है, लेकिन उन्होंने अपनी कर्मठता से, अपने कर्म से, अपनी श्रेष्ठता से, अपने कठिन परिश्रम से सूरत और गुजरात की समृद्धि के अंदर बहुत बड़ा योगदान दिया है। मैं गुजरात की जनता, सूरत की जनता को भी धन्यवाद देता हूँ कि जिस सहजता के साथ उन्होंने राजस्थान हो, हरियाणा हो, पंजाब हो, किसी भी प्रदेश का व्यक्ति हो, जो यहां व्यापार करने आया, उद्योग लगाने आया है, नौकरी

करने आया, मजदूरी करने आया है, उसको जिस प्यार से, स्नेह से अपना बनाया है, उसके लिए मैं गुजरात प्रदेश के लोगों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

मैं यह कह सकता हूँ कि गुजरात की समृद्धि के अंदर, गुजरात की प्रगति के अंदर, आपका बहुत बड़ा योगदान है। लेकिन उसके साथ-साथ आपने जिस तरीके से गुजरात के अंदर कड़ी मेहनत की, कार्यकुशलता की और जिस मेहनत से काम करके आपने समृद्धि प्राप्त की उससे आपके प्रदेश का भी गौरव और सम्मान बढ़ा है। इसीलिए मैं कह सकता हूँ कि आप सबके प्रयासों के कारण अपने-अपने प्रदेशों का गौरव और सम्मान बढ़ा है।

साथियों, भारत वह देश है, जहां पर अलग-अलग धर्म, अलग-अलग संस्कृति, अलग-अलग बोली, अलग-अलग भाषा, ये सारी विविधताओं की ताकत हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के अंदर जितनी हमारी विविधता है, जितनी हमारी अलग-अलग संस्कृति है, भाषा है, उतनी ही हमारी ताकत और शक्ति और बढी है और दुनिया के अंदर हमने बताया है कि विविधताएं ताकत होती है, विविधताएं शक्ति होती है और किस तरीके से सामूहिकता के साथ हम एक साथ मिल कर किसी भी चुनौतियों और आपदा से निबटने में सक्षम हैं। मैं विशेष रूप से आज जो गौरव की प्रगति और खुशहाली को हम देख रहे हैं, उसमें गुजरात के मुख्य मंत्री रहे माननीय नरेंद्र मोदी जी का यह विज़न था, जिन्होंने गुजरात के अंदर अलग-अलग जिलों के अंदर जहां आर्थिक केंद्र बनाने का काम किया, उद्योग हो, व्यापार हो, ट्रेड हो, किसान के लिए नई इनोवेशन हो, पर्यटन हो, उसके अलग-अलग क्षेत्रों को एक विज़न के आधार पर उन्होंने गुजरात को एक समृद्धशील, प्रगतिशील प्रदेश बना कर देश के अन्य प्रदेशों को एक राह देने का काम किया है। आज उसी विज़न के कारण देश की जनता ने उनको प्रधान मंत्री चुना। **और प्रधान मंत्री चुने जाने के बाद उन्होंने जिस तरीके से गुजरात का विकास किया,** आज देश के विकास को देखते हुए हम यह कह सकते हैं कि दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और सबसे तेज़ी से बढ़ते हुए सामाजिक परिवर्तन का अगर कोई देश है तो भारत है।

इसीलिए दुनिया के किसी भी देश में चले जाएं, आज दुनिया के सारे देश आर्थिक रूप से अगर कहीं अपनी इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं, अपना कुछ धन निवेश करना चाहते हैं तो उनको एक मात्र दुनिया के अंदर सबसे बेस्ट और श्रेष्ठ डेस्टिनेशन नज़र आता है तो भारत नज़र आता है। इसी कारण से आज भारत का गौरव और सम्मान दुनिया के अंदर बढ़ा है और भारतीय दुनिया में कहीं भी रह रहा है, अपनी श्रेष्ठता, कार्यकुशलता और हमारे नेतृत्व

के कारण गौरव प्राप्त कर रहा है और इसीलिए भारत के जन-जन को आज गौरव है कि हमारे प्रधान मंत्री ने एक विज़न के साथ, एक नई सोच के साथ, एक नए विचार के साथ भारत को आगे बढ़ाने का एक नया संकल्प लिया है।

इसीलिए आज जब आजादी के हम 75 वर्ष का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, उस समय हमारी जिम्मेदारी बन जाती है कि इस 75 साल के अंदर जो आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन हुए, आने वाले समय में प्रधान मंत्री जी ने लाल किले से एलान किया है कि जब आजादी के सौ साल होंगे तो भारत दुनिया का विकसित राष्ट्र बनेगा। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी देश की 130 करोड़ जनता की होगी। इसलिए हमें और कर्मठता से, और कठिन परिश्रम से मेहनत करनी होगी कि दुनिया के अंदर भारत हर क्षेत्र में श्रेष्ठ रहे और अपनी इनोवेशन, अपनी नई शक्ति, नई सामर्थ्य के कारण दुनिया के अदंर नेतृत्व करे।

हमें यही गर्व है कि आज भारत का नौजवान अपनी बौद्धिक क्षमता के कारण, नई सोच के कारण, नए विचार के कारण, नए स्टार्ट-अप के कारण, दुनिया के अदंर भारत का गौरव और समान बढ़ा है और दुनिया का नौजवान, जहां कहीं भी जिस देश के अंदर है, उसके आर्थिक और सामाजिक जीवन में परिवर्तन करने का योगदान भारत का नौजवान है, जो भारत का गौरव और सम्मान दुनिया के अंदर बढ़ा रहा है। इसीलिए एक समय आ गया है कि हम सब जिस तरीके से अलग-अलग प्रदेश की जन्मस्थली से आए हैं, लेकिन हमारी जहां कर्मस्थली है, उस कर्मस्थली के अंदर और कड़ी मेहनत और श्रेष्ठता से काम कर के अपनी जन्मस्थली का भी गौरव बढ़ाएं और जहां हमारी कर्मस्थली है, वहां का भी गौरव और सम्मान और आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन करने में योगदान है।

मुझे खुशी है कि जब मैं आज सुबह घूमने जा रहा था तो मुझे गुजरात के कई लोग मिले। उन लोगों ने जिस प्यार और स्नेह से कहा कि राजस्थान को, हरियाणा का हो चाहे किसी भी प्रदेश के लोग हो, हम सब लोग एक हैं। हमारी सामूहिकता की संकल्प शक्ति, सामूहिकता से काम करने की हमारी आपस में एकजुटता, हमारे व्यापार में, हमारे उद्योग में, हमारे काम करने वाले मज़दूर में, हम सब मिल कर जिस तरीके की एक श्रेष्ठ कार्य संस्कृति सूरत में डेवल्प हुई है, वह अपने आप में देश में एक उदाहरण है।

इसी श्रेष्ठता के कारण हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि दुनिया और देश का कोई भी व्यक्ति सूरत में, गुजरात में आएगा तो दो टाइम की रोटी का इंतजाम होगा, वह इंडस्ट्रीज़ लगाएगा तो उसका आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन करने में योगदान होगा। व्यापार करेगा तो उससे नई नौकरी के अवसर सृजन होंगे।

ये सब काम आपने गुजरात में आकर भी किए हैं, जहां राजस्थान के लोगों को भी काम मिला है, गुजरात के लोगों को भी काम मिला है, हरियाणा के लोगों को काम मिला है। इसी कारण से आज गुजरात समृद्धि और खुशहाली की ओर बढ़ रहा है और गुजरात समृद्धि और खुशहाली की तरफ बढ़ेगा तो देश समृद्धि अैर खुशहाली की ओर बढ़ेगा। हर प्रदेश को हमें इसी तरीके से समृद्धि और खुशहाली की ओर बढ़ाना है, जब सब प्रदेश एक साथ समृद्धि और खुशहाली की ओर बढ़ेंगे तो भारत समृद्धि और खुशहाली की ओर बढ़ेगा।

पुन: आप सबको दिवाली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं और आज विशेष रूप से जिनका हम अभिनंदन और स्वागत करने आए हैं, उनका बहुत-बहुत स्वागत और अभिनंदन करता हूँ। आपने जिस तरीके से आज भारत का गौरव और सम्मान बढ़ाया है, राजस्थान का गौरव-सम्मान बढ़ाया है, हम सब प्रसन्नचित हैं। मैं कहूंगा कि ताली बजा कर माननीय जगदीप धनखड़ जी का हार्दिक स्वागत करें, अभिनंदन करें। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।